medanta

लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी

INSTITUTE OF DIGESTIVE AND HEPATOBILIARY SCIENCES

लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी क्या है?

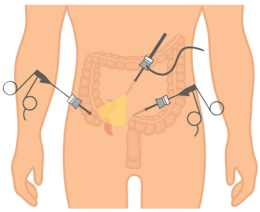

लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी, या लैप एपेंडेक्टोमी, एक ऐसी सर्जिकल प्रक्रिया है, जो अपेंडिक्स नामक एक छोटे अंग को शरीर से बाहर निकालने के लिए की जाती है। अपेंडिक्स एक छोटी उंगली के आकार का अंग होता है जो बड़ी आंत के पहले भाग से जुड़ा होता है। जब अपेंडिक्स में सूजन या संक्रमण हो जाता है (जिसे अपेंडिसाइटिस भी कहा जाता है), तो इससे होने वाली अन्य समस्याओं से बचने के लिए डॉक्टर इसे निकालने की सलाह दे सकते हैं।

लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी ओपन सर्जरी के मुकाबले बेहतर क्यों है?

कुछ तथ्य जो लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टमी को ओपन सर्जरी के मुकाबले बेहतर बनाते हैं, निम्नलिखित हैं:

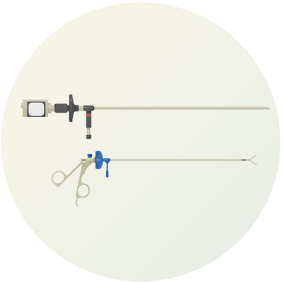

- रिकवरी ओपन सर्जरी के मुकाबले तेज होती है।
- संक्रमण की संभावना कम होती है।
- सर्जरी के बाद होने वाला दर्द इस प्रक्रिया में कम होता है।
- अस्पताल में कम समय के लिए भर्ती रहना पड़ता है।
- मल त्याग की प्रक्रिया कम समय में सामान्य हो जाती है।
- मरीज़ के शरीर पर सर्जरी के निशान कम होते हैं।

सर्जरी से पहले क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

क्या करना चाहिए:

- डॉक्टर को चल रही समस्त दवाओं के बारे में विस्तार से बताएं।
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही दवाओं का सेवन रोकें।
- किसी भी प्रकार की चिकित्सा समस्याओं या रक्तस्राव विकार के बारे में डॉक्टर को बताएं।

क्या नहीं करना चाहिए:

- सर्जरी से 6-8 घंटे पहले कुछ खाना पीना नहीं चाहिये।
- सर्जरी के बाद धूम्रपान व शराब का सेवन नहीं करें, इससे रिकवरी में समय लग सकता है।

लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टमी कैसे की जाती है?

लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टमी के दौरान पेट में छोटे-छोटे चीरे लगाए जाते हैं। सर्जन एक लैप्रोस्कोप और अन्य छोटे उपकरणों का उपयोग करते हैं ताकि वह अंदर देख सकें और सूजन युक्त अपेंडिक्स को बाहर निकाल सके।

पेट में पर्याप्त जगह बनाने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड गैस भरा जाता है। इसके बाद अपेंडिक्स को काट दिया जाता है, और जगह को बंद कर दिया जाता है, और इस कटे हुए अपेंडिक्स को एक चीरे के माध्यम से बाहर निकाला जाता है।

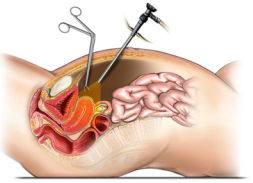

सर्जरी के बाद सामान्यतः क्या होता है?

- ऑपरेशन के तुरंत बाद चिकित्सा टीम आपके ब्लड प्रेशर, पल्स, और अन्य शारीरिक माणकों पर निगरानी रखने के लिए कुछ समय के लिए आपको रिकवरी रूम में रखेंगे।
- सर्जरी वाले स्थान में दर्द होने की स्थिति में डॉक्टर आपको दवा दे सकते हैं।
- शुरुआत में, मरीज़ को तरल आहार दिया जा सकता है। धीरे-धीरे आप सामान्य भोजन ले सकते हैं।
- डॉक्टर मरीज़ को अत्यधिक श्रम वाली गतिविधियों से दूर रहने की सलाह दे सकते हैं जिससे रिकवरी सामान्य तरीके से हो सके।
- एक निश्चित समय के बाद सर्जन टाँके हटाने और सुधार का मूल्यांकन करने के लिए मरीज़ को बुला सकते हैं।
- मरीज़ अगले कुछ हफ्तों में अपनी सामान्य गतिविधियां फिर से धीरे-धीरे शुरू कर सकते हैं।

लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी के क्या जोखिम हो सकते हैं?

- संक्रमण
- रक्तस्राव
- आसपास के ऊतकों को नुकसान
- अपेंडिक्स का पूरी तरह से न निकल पाना
- खून के थक्के बनना
- सर्जरी के बाद दर्द

लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी के बाद किन परिस्थितियों में डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए?

पहले 24 घंटे:

- अत्यधिक दर्द, तेज़ बुखार, या रक्तस्राव।

दिन 1-7:

- दर्द का लगातार बढ़ना, मतली, या चीरा वाली जगह पर तकलीफ़।

1 सप्ताह के बाद:

- दर्द बढ़ना, संक्रमण के लक्षण, या अन्य असामान्य लक्षण।

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ